

भा.कृ.अनु.प.—भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खण्डवा रोड, इन्दौर-452001
Khandwa Road, Indore-452001

फाइल नं. F.No. : टेक 10-6/2019

दिनांक Date: 26.08.2019

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / **Advisory for Soybean Farmers**
(26 अगस्त से 1 सितम्बर 2019 / 26 August to 1 September 2019)

1. कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन फसल पर सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्ली का प्रकोप होने के समाचार प्राप्त हुए हैं। इनके प्रबंधन हेतु निम्न में से किसी एक अनुशंसित कीटनाशक का छिड़काव करने की अनुशंसा है:— क्वीनॉलफॉस 25 ईसी (1500 मि.ली./है.) अथवा इन्डोक्साकार्ब 14.5 एससी (300 मि.ली./है.) अथवा फ्लूबेन्डीयामाईड 39.35 एससी (150 मि.ली./ है.) अथवा फ्लूबेन्डीयामाईड 20 डब्ल्यूजी (250 से 300 मि.ली./है.) अथवा स्पायनोटेरम 11.7 एससी (450 मि.ली./है.)।
2. कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल में पत्ती खाने वाली इल्लियों के साथ-साथ सफेद मक्खी का भी प्रकोप देखा गया है। इनके नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक बीटासायपलूथीन + इमिडाक्लोप्रिड 350 मि.ली./है. अथवा थायमिथॉक्सम + लेम्बडा सायहेलोथ्रीन 125 मि.ली./है. की दर से छिड़काव करने की सलाह है जिससे तना मक्खी का भी नियंत्रण होगा।
3. कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल में माइरोथिसियम लीफ स्पॉट, एन्थेकनोज, एरियल ब्लाइट एवं चारकोल रॉट बीमारी का प्रकोप देखा गया है। इसके नियंत्रण हेतु कृषकों को सलाह है कि फसल पर टेबूकोनाझोल 625 मि.ली./हे. अथवा टेबूकोनाझोल + सल्फर 1 कि.ग्रा./हे अथवा हेक्झाकोनाझोल 500 मि.ली./हे अथवा पायरोक्लोस्ट्रोबिन 500 ग्रा./हे. को 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
4. जिन स्थानों पर गर्डल बीटल का प्रकोप शुरू हो गया हो वहां पर थाइक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. 650 मि.ली./है. अथवा प्रोफेनोफॉस 50 ईसी (1.25 ली./है.) या ट्रायझोफॉस 40 ई.सी. (800 मि.ली./है.) की दर से छिड़काव करें।
5. पीला मोजाइक बीमारी को फैलाने वाली सफेद मक्खी के प्रबंधन के लिए खेत में यलो स्टीकी ट्रैप का प्रयोग करें जिससे मक्खी के वयस्क नष्ट किये जा सकें। साथ ही पीला मोजाइक रोग से ग्रसित पौधों/अवशेषों को खेत से निकालकर नष्ट कर दें। रोग की तीव्रता अधिक होने पर थायोमिथाक्सम 25 डब्ल्यूजी (100 ग्रा./500 लीटर पानी) का छिड़काव करें।
6. सोयाबीन फसल में चूहों से नुकसान की जानकारी भी प्राप्त हो रही है। चूहों के प्रबंधन हेतु आटे/ज्वार के बीज को झिंक फास्फाईड पाउडर के साथ मिलाकर अथवा बाजार में उपलब्ध एन्टी-कोआगुलेन्ट बिस्किट का उपयोग करें।
7. बुवाई के समय संतुलित पोषण का उपयोग न करने पर फसल कमजोर एवं पीली हो जाती है जिसमें कीट एवं बीमारियों का प्रकोप अधिक होता है। ऐसी स्थिति में संतुलित पोषण के लिए एन. पी.के. 19:19:19 का 2 प्रतिशत घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।
8. बीज उत्पादन के लिए उगाई जाने वाली सोयाबीन की फसल में पत्तियों, फूल का रंग एवं रोएं के रंग के आधार पर अन्य किस्मों के पौधों को निकाल दें जिससे बीज की शुद्धता बनी रहें।
9. लगातार होने वाली वर्षा के कारण जलभराव की स्थिति होने पर अतिरिक्त पानी के निकास हेतु नालियों की व्यवस्था करें।

1. An infestation of Semiloopers, Tobacco Caterpillar and Gram Pod Borer is reported on soybean in some of the areas. It is advised to spray the crop with any one of the following insecticides for their management:- Quinalphos 25 EC @ 1.5 lit/ha, Indoxacarb 14.5 SC @ 300 ml/ha. Fluebendiamide 39.35 SC @ 150 ml/ha or Fluebendiamide 20 WG @ 250-300 ml/ha or Spinetoram 11.7 SC @ 450 ml/ha.
2. For management of defoliators and white fly spray pre-mixed insecticides like Betacyfluthrin +Imidacloprid @ 350 ml/ha or Thimethoxam + Lambda cyhelothrin @ 125 ml/ha. This will also help in control of stem fly.
3. In case of soybean infested with Myrothecium leaf spot, Anthracnose, Aerial Blight and Charcoal rot, it is advised to spray the crop with Tebuconazole @ 625 ml/ha or Tebuconazole + Sulphur 1 kg/ha or Hexaconazole @ 500 ml/ha or Pyroclostrobin @ 500 g/ha with the use of 500 litre of water.
4. For management of Girdle beetle, spray the crop with Thicloprid 21.7 SC @ 650 ml/ha. Profenophos 50 EC @ 1.25 lit/ha or Triazophos 40 EC @ 800 ml/ha.
5. For management of White fly adults (vector for YMV) it is advised to install Yellow Sticky Traps in the soybean fields as well as destruction of affected plants/part. In case of severity, farmers are also advised to spray the crop with Thiamethoxam 25WG @ 100 g/500 litre water/ha immediately after the symptoms are visible.
6. Crop damage due to field Rats has been reported. For management of Rats, use Zinc Phosphide powder mixed with wheat flour / Jawar seeds or commercially available anti-coagulant biscuits.
7. Due to non application of balanced fertilizers at the time of sowing, soybean crop tends to become weak and pale. In this situation it is advised to spray N:P:K 19:19:19 @ 2%.
8. For maintaining the purity of seed, farmers are advised to remove the mixed plants based on flower colour, leaf shape and pubescence in seed production programme.
9. It is advised to make drainage of excess rainwater due to continuous rains in order to avoid water logging situation.